खबर संक्षेप

कलेक्टर ने लोगों की सुनी समस्याएं व शिकायतें, दिए निराकरण के निर्देश

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिले के ग्राम खैरहा निवासी रामजीन ने नलकूप खनन हेतु अनुमति प्रदाय करने, ग्राम खाम्हा निवासी पडसू अहिरवार ने कृषि कार्य हेतु रास्ता खुलवाने, ग्राम मसीरा निवासी कौषिल्या केवट ने उज्जवला योजना का लाभ दिलवाने, ग्राम कल्याणपुर निवासी षिष्या कुमारी यादव ने छात्रवृत्ति दिलवाने, ग्राम दुआरी निवासी पंकज वर्मन ने भूमि का कब्जा दिलवाने, ग्राम खड्डा निवासी निषा पटेल ने रोजगार दिलवाने जनसुनवाई में आवेदन किया। कलेक्टर ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रेषित करते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थिति रहे।

कलेक्टर ने ईव्हीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थिति ईव्हीएम वेयरहाउस का(बिना ताला खोले) निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मिनिषा पाण्डेय सहित राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

कमिश्नर ने संभाग के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की जनसुनवाई

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज के क्षेत्रो से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में उमरिया जिले के ग्राम बकेली निवासी लोली सिंह ने बने राषन कार्ड की जांच करवाने, ग्राम धुपखड़ा निवासी बाबूलाल बैगा ने ग्राम में विद्युत सप्लाई करवाने, शहडोल जिले के ग्राम लालपुर निवासी दीना कुषवाहा ने भूमि का मुआवजा दिलवाने के संबंध में आवेदन दिए। कमिश्नर ने संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य आवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास श्री मुद्रिका सिंह, अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त श्रीमती प्रेरणा सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

पीजी फोर्थ सेमेस्टर की तीन परीक्षाएं निरस्त, अब कल दोबारा देना होगा पर्चा

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय प्रबंधन अपनी अजीबोगरीब कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक तुगलकी फरमान जारी करते हुए स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर की तीन मुख्य विषयों की परीक्षाओं को अचानक निरस्त कर दिया है। 30 जून 2026 को हो चुकी अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और संस्कृत विषय की परीक्षाओं को रद्द किए जाने से हजारों परीक्षार्थियों में खलबली मच गई है।

एक ही डिग्री पर चल रहीं कई दुकानें

शहडोल में मौत बांट रहे बिना लाइसेंस के मेडिकल स्टोर

ड्रग इंस्पेक्टर की कृपा से फल-फूल रहा अवैध कारोबार

शहडोल। संभागीय मुख्यालय समेत तीनों जिलों के ग्रामीण और शहरी इलाकों में इन दिनों दवा के नाम पर मौत का खुला खेल चल रहा है। संभाग भर में संचालित हो रहे सैकड़ों मेडिकल स्टोरों की जमीनी हकीकत इतनी खौफनाक है कि यहां मरीजों की जान डॉक्टरों के पर्चे से नहीं, बल्कि दवा माफियाओं की मर्जी और चंद रुपयों के कमीशन से तय हो रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे अवैध धंधे की जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदार ड्रग विभाग और आला अधिकारी कुंभकर्णी नींद सोए हुए हैं, जिससे इन अवैध कारोबारियों के हौसले सातवें आसमान पर हैं।

बिना रजिस्ट्रेशन और डिग्री के खुली हैं दुकानें

संभागीय मुख्यालय से लेकर तहसील और जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलों तक में इन दिनों मेडिकल स्टोरों की बाढ़ आई हुई है। चौंकाने वाला सच यह है कि इनमें से अधिकांश दवा दुकानों के पास न तो कोई वैध रजिस्ट्रेशन है और न ही फार्मासिस्ट की अनिवार्य डिग्री। नियमों के मुताबिक, किसी भी मेडिकल स्टोर पर दवा देने के लिए एक योग्य डिग्रीधारी फार्मासिस्ट का होना कानूनी रूप से अनिवार्य है, लेकिन शहडोल संभाग में कानून को ठेंगे पर रखकर बिना डॉक्टर के पर्चे के खुलेआम प्रतिबंधित और हाई-डोज दवाइयां बेची जा रही हैं।

अनपढ़ कर्मचारियों के भरोसे चल रहा दवाइयों का खेल

संभाग के अधिकांश रसूखदार मेडिकल संचालकों ने किसी योग्य बी-फार्मा डिग्रीधारी को नौकरी पर रखने के बजाय एक नया शॉर्टकट ढूंढ निकाला है। मोटी सैलरी बचाने के चक्कर में महज 3 से 4 हजार रुपए महीने पर कम पढ़े-लिखे युवकों को दुकानों पर बैठा दिया गया है। इन लडक़ों को दवाइयों के एबीसीडीकी भी समझ नहीं होती। ये कर्मचारी मेडिकल संचालक के इशारे पर मरीजों को आंख बंद करके दवाइयां बांटते हैं और महज दो-तीन महीने में तुक्केबाजी से ट्रेंड होकर खुद को डॉक्टर समझने लगते हैं। मासूम मरीजों की जिंदगी को इन नौसिखियों के हवाले छोड़ दिया गया है।

10,000 में किराए पर मिल रही हैं डिग्रियां

नियम कहता है कि एक ड्रग लाइसेंस पर सिर्फ और सिर्फ एक ही दुकान का संचालन किया जा सकता है, लेकिन शहडोल संभाग में एक या दो रसूखदार लोगों के लाइसेंस पर अलग-अलग नामों से कई-कई दुकानें धड़ल्ले से चलाई जा रही हैं। इस काले कारोबार का सबसे घिनौना पहलू यह है कि डिग्री और लाइसेंस धारी लोग अपनी डिग्रियों को 5 से 10 हजार रुपए प्रति महीने के किराए पर माफियाओं को सौंप चुके हैं। कागजों में भले ही असली लाइसेंसधारी का नाम दर्ज हो, लेकिन मौके पर दुकान का संचालन कोई और ही अनपढ़ या झोलाछाप कर रहा होता है।

निरीक्षण के नाम पर सिर्फ कमीशन का खेल

संभाग भर में चल रहे इस गोरखधंधे पर ड्रग इंस्पेक्टर और संबंधित विभाग की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल खड़ा करती है। शहर की तंग गलियों से लेकर अस्पतालों के भीतर तक अवैध दुकानें संचालित हैं, लेकिन विभाग द्वारा कभी कोई औचक निरीक्षण या छानबीन नहीं की जाती। कहा जा रहा है कि हर महीने फिक्स कमीशन और मोटी मलाई सेटिंग के कारण जांच की फाइलें दफ्तरों से बाहर ही नहीं निकल पातीं। अगर आज निष्पक्षता से संभाग की दुकानों की जांच कर दी जाए, तो सैकड़ों दुकानें रातों-रात सील हो जाएंगी।

बाइक चोर गैंग के 6 शातिर कोतवाली पुलिस ने दबोचे, 8 मोटरसाइकिलें बरामद

मुखबिर के जाल में फंसे अंतर-जिला वाहन चोर एसपी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई

शहडोल। लगातार सक्रिय बाइक चोर गैंग की रीढ़ तोडऩे में कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देश और आला अफसरों के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी की टीम ने एक सुनियोजित घेराबंदी कर मोटरसाइकिल चोरी करने वाले 6 शातिर आरोपियों को दबोच लिया है। पुलिस ने इन चोरों के कब्जे से चोरी की 8 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी कीमत लाखों में आंकी जा रही है।

मुखबिर की सटीक सूचना पर बिछाया जाल

इलाके में लगातार हो रही दोपहिया वाहनों की चोरी से पुलिस की साख दांव पर लगी थी। कोतवाली पुलिस लगातार संदेहियों पर नजर रख रही थी। इसी बीच मुखबिर से मिली एक अचूक और पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की। पकड़े गए आरोपियों ने सख्ती से हुई पूछताछ में अपने गुनाह कबूल कर लिए और उनकी निशानदेही पर पुलिस ने 8 बाइक जब्त कर लीं।

ये हैं खाकी के हत्थे चढ़े 6 शातिर चोर

गिरफ्तार आरोपियों में सोहागपुर और कोतवाली क्षेत्र के नामी बदमाश सुनील वर्मा उम्र 26 वर्ष निवासी- कोटमा जानकी मंदिर के पास, थाना सोहागपुर, मोहम्मद अहमद उम्र 38 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 4, कल्याणपुर, थाना कोतवाली, शुभम सरवारी उर्फ पापे उम्र 26 वर्ष निवासी- वार्ड नंबर 28, सौखी मोहल्ला, थाना कोतवाली, सुधीर केवट उर्फ छोटू उम्र 32 वर्ष निवासी जमुई थाना सोहागपुर, सागर जायसवाल उर्फ शिवम उम्र 24 वर्ष निवासी- जमुई, थाना सोहागपुर, विजय जायसवाल उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम जमुई, थाना सोहागपुर शामिल हैं।

इन जांबाजों ने किया गैंग का पर्दाफाश

इस शानदार और बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम का नेतृत्व कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र तिवारी कर रहे थे। टीम में उपनिरीक्षक उपेंद्र त्रिपाठी, एएसआई रजनीश तिवारी समेत प्रधान आरक्षक आशाराम, ध्रुव शर्मा, कैलाश, पंचम सिंह, गंगा, शैलेंद्र पाटले, लक्ष्मी पटेल, गिरीश मिश्रा और आरक्षक रोशन राय व रूपचंद्र की मुख्य भूमिका रही। फिलहाल पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ वैधानिक धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। पुलिस का दावा है कि रिमांड के दौरान आरोपियों से जिले में हुई कई अन्य चोरियों के राज भी खुल सकते हैं।

रामनारायण पाण्डेय भाजपा जिला कार्यसमिति के सदस्य नियुक्त

शीर्ष नेतृत्व और जिलाध्यक्ष अमिता चपरा का जताया आभार

शहडोल। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और कार्यकर्ताओं के मूल्यांकन की कड़ी में जयसिंहनगर के पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनारायण पाण्डेय को भाजपा जिला कार्यसमिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से पूरे क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई है।

जिलाध्यक्ष अमिता चपरा के कुशल नेतृत्व की सराहना

अपनी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रामनारायण पाण्डेय ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व सहित विशेष रूप से शहडोल भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा के प्रति अपना सादर आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष अमिता चपरा के कुशल, ऊर्जावान और निष्पक्ष नेतृत्व में जिले के कर्मठ कार्यकर्ताओं को उचित मंच और सम्मान मिल रहा है। अमिता चपरा का मार्गदर्शन जिले में संगठन को और अधिक सशक्त तथा अभेद्य बनाने का काम कर रहा है, जिसके चलते प्रत्येक समर्पित कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ जनसेवा में जुटा हुआ है।

स्थानीय वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दी बधाई

रामनारायण पाण्डेय को जिला कार्यसमिति में स्थान मिलने पर क्षेत्र के वरिष्ठ राजनेताओं ने इसे संगठन का एक सराहनीय निर्णय बताया है। बधाई देने वालों में नगर परिषद अध्यक्ष सुशीला शुक्ला, भाजपा जिला मंत्री कविता सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष सांतिका प्रसाद तिवारी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरुण गौतम तथा भाजपा मंडल करकी के पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश द्विवेदी प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके साथ ही भाजपा जयसिंहनगर की मंडल अध्यक्ष जयश्री कचेर, पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. के. के. विश्वह, वरिष्ठ भाजपा नेता जयप्रकाश पाण्डेय, पार्षद नीरज शर्मा, सांसद प्रतिनिधि रावेंद्र शर्मा छोटू, मंडल महामंत्री हिमांशु गुप्ता, अनुपम द्विवेदी, आदेश शुक्ला, पूर्व महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष देवकी सोनी, पंकज पाण्डेय, हीरालाल पाल, विजय शुक्ला तथा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष एवं सरपंच कुबरा शेषमणि पाल सहित तमाम स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

पुलिस को देख गाड़ी छोड़ भागा ड्राइवर, जमुखुरी तलैया के पास देवलोंद पुलिस ने दबोचा यमदूत

रात के अंधेरे में घेराबंदी, 15 लाख का हाईवा और अवैध रेत जब्त

शहडोल। सोन नदी और आस-पास के क्षेत्रों में अवैध उत्खनन और रेत के काले कारोबार पर नकेल कसने के लिए शहडोल पुलिस ने अपना शिकंजा बेहद कड़ा कर दिया है। इसी कड़ी में देवलोंद पुलिस को रेत माफिया के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने रात के सन्नाटे में घेराबंदी कर अवैध रेत से लदे एक तेज रफ्तार हाईवा को जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत करीब 15 लाख 50 हजार रुपये आंकी जा रही है।

पसगढ़ी से बुढ़वा की ओर बढ़ रहा था अवैध माल

दस्तावेजों के मुताबिक 6 जुलाई 2026 की रात देवलोंद पुलिस को मुखबिर से सटीक और पुख्ता इनपुट मिला था कि एक शातिर रेत चोर हाईवा में अवैध बालू (रेत) लोड कर पसगढ़ी से बुढ़वा की तरफ निकालने की फिराक में है। सूचना मिलते ही देवलोंद थाना प्रभारी उपनिरीक्षक दिलीप सिंह ने बिना वक्त गंवाए एक विशेष टीम का गठन किया और जमुखुरी तलैया के पास तगड़ी नाकेबंदी कर दी।

पुलिस को देख भागा ड्राइवर, गाड़ी जब्त

कुछ ही देर में पुलिस टीम को सामने से संदिग्ध हाईवा आता दिखाई दिया। पुलिस ने जब टॉर्च की रोशनी देकर वाहन को रोकने का इशारा किया, तो पुलिस को सामने देख ड्राइवर के हाथ-पांव फूल गए। पुलिसिया कार्रवाई से खौफजदा चालक रात के अंधेरे और झाडिय़ों का फायदा उठाकर गाड़ी को चालू हालत में सडक़ पर ही छोडक़र रफूचक्कर हो गया। पुलिस ने काफी दूर तक उसका पीछा किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया।

15 लाख का वाहन और 50 हजार की रेत जब्त

पुलिस ने तत्काल मौके पर पंचनामा बनाकर 15 लाख रुपये कीमत के हाईवा वाहन और उसमें लदी लगभग 50 हजार रुपये मूल्य की अवैध रेत को विधिवत जब्त कर लिया है। जब्तशुदा वाहन को देवलोंद थाने में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। पुलिस ने अज्ञात चालक और अज्ञात वाहन मालिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और खनिज अधिनियम की कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस पूरी घेराबंदी और रेत माफिया की कमर तोडऩे वाली कार्रवाई में थाना प्रभारी दिलीप सिंह के साथ सहायक उपनिरीक्षक इंद्रलाल पुरी, आरक्षक चित्रांशु शुक्ला, ओमप्रसाद तिवारी और आदित्य सिंह की जांबाजी और भूमिका रही।

शादी का झांसा देकर ज्यादती करने वाला कलयुगी प्रेमी गिरफ्तार, भेजा जेल

शहडोल। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर शहडोल पुलिस ने एक बार फिर कड़ा प्रहार किया है। शादी का झांसा देकर युवती की जिंदगी बर्बाद करने और दुष्कर्म के बाद फरार होने वाले शातिर आरोपी सचिन सिंह कंवर को बुढ़ार पुलिस ने हजारों किलोमीटर दूर गोवा से दबोच लिया है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर शहडोल ले आई है, जहां वैधानिक कार्रवाई के बाद उसे माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

झांसा देकर बनाए शारीरिक संबंध

इस वारदात की शुरुआत प्रेम जाल से हुई थी, ग्राम टेंगा चौकी केशवाही निवासी आरोपी सचिन सिंह कंवर उम्र 23 वर्ष ने पीड़िता को अपने प्यार के जाल में फंसाया और शादी का पवित्र वादा कर लगातार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी के सिर से इश्क का भूत उतर गया। वह पीड़िता को धोखे से कटनी रेलवे स्टेशन ले गया और वहां लावारिस हालत में छोडक़र खुद रफूचक्कर हो गया।

पुलिस ने बिछाया जाल, गोवा में दबोचा

पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली में गंभीर धाराओं के तहत जीरो पर मामला दर्ज कर डायरी बुढ़ार थाने भेजी गई। बुढ़ार थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के निर्देशन में पुलिस टीम ने तत्परता दिखाई। आरोपी की लोकेशन ट्रैक करते हुए उपनिरीक्षक गंगा सिंह मार्को, प्रधान आरक्षक उमेश राठौर और आरक्षक जितेंद्र राठौर की टीम ने गोवा में दबिश देकर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की इलाके में जमकर सराहना हो रही है।

डिजिटल डाकुओं के खिलाफ पपौंध में पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक

सेफ क्लिक 2.0 के तहत दौड़े युवा, ली सुरक्षा की शपथ

साइबर ठगों के मकडज़ाल को तोडने सडक़ों पर उतरी पुलिस

शहडोल। इंटरनेट की आभासी दुनिया में बैठे अदृश्य ठगों और डिजिटल डाकुओं के खिलाफ मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर शहडोल पुलिस ने अपनी जंग तेज कर दी है। जिले भर में चल रहे सेफ क्लिक अभियान 2.0 के 14 वें दिन आज पपौंध पुलिस ने साइबर अपराधों की धज्जियां उड़ाने के लिए एक अनूठी पहल की। थाना पपौंध क्षेत्र में युवाओं और छात्र-छात्राओं को साथ लेकर एक विशाल साइबर सुरक्षा मैराथन का आयोजन किया गया, जिसका मकसद जनता को डिजिटल ठगी के प्रति आगाह करना और जागरूक बनाना है।

पपौंध की सडक़ों पर दौड़ा जोश

पपौंध पुलिस के नेतृत्व में आयोजित इस मैराथन में स्थानीय युवाओं और विद्यार्थियों ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। दौड़ के जरिए संदेश दिया गया कि थोड़ी सी लापरवाही किसी की जिंदगी भर की कमाई को एक झटके में साफ कर सकती है। कार्यक्रम के समापन पर पुलिस अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा की कडक़ शपथ दिलाई और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

अनजान लिंक और लुभावने ऑफर हैं मौत का कुआं

मैराथन के साथ-साथ जिले के अन्य थानों ने भी शहरी और ग्रामीण इलाकों में सघन चौपालें लगाकर जनता को सीधे शब्दों में चेतावनी दी। पुलिस ने साफ लहजे में समझाया कि किसी भी अज्ञात नंबर से आए कॉल, संदिग्ध लिंक या क्यूआर कोड पर बिना जांचे-परखे क्लिक न करें। लॉटरी या बंपर इनाम वाले ऑनलाइन लुभावने ऑफर पूरी तरह फर्जी हैं, इनके जाल में न फंसें। अपना ओटीपी, यूपीआई पिन, बैंक पासवर्ड या कोई भी गोपनीय जानकारी किसी को भी न बताएं, चाहे वह खुद को बैंक अधिकारी ही क्यों न कहे।

ठगी होने पर तुरंत डायल करें 1930

पुलिस ने ग्रामीणों को संजीवनी मंत्र देते हुए बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है, तो बिना घबराए तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराए। त्वरित सूचना मिलने पर ठगी गई रकम को होल्ड कराया जा सकता है। पुलिस का यह आक्रामक जागरूकता अभियान अब जिले भर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

ट्रैफिक थाने में खाकी ने थामी हरियाली की कमान

यातायात प्रभारी की अगुवाई में रोपे पौधे

सिर्फ चालान नहीं, पर्यावरण सुधारने की भी फिक्र

शहडोल। शहर की सडक़ों पर धुआं उगलते वाहनों और बढ़ते प्रदूषण के बीच शहडोल ट्रैफिक पुलिस ने पर्यावरण सुधार के लिए एक बेहतरीन और अनुकरणीय पहल की है। अक्सर चालानी कार्रवाई और ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने में व्यस्त रहने वाली खाकी का आज एक बेहद संवेदनशील और जिम्मेदार रूप देखने को मिला। थाना यातायात शहडोल परिसर में पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन शहडोल के संकल्प के साथ एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रभारी की टीम ने लिया पौधों की परवरिश का जिम्मा

यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक संजय जायसवाल के नेतृत्व में थाने के तमाम मुस्तैद अधिकारियों और पुलिस जवानों ने परिसर में विभिन्न फलदार और छायादार प्रजातियों के पौधे रोपे। खास बात यह रही कि यह आयोजन सिर्फ फोटो खिंचवाने और औपचारिकता पूरी करने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मौके पर मौजूद हर एक पुलिसकर्मी ने अपने हाथ से लगाए पौधे को नियमित पानी देने, सुरक्षित रखने और उसकी परवरिश करने का कड़ा संकल्प भी लिया।

प्रदूषण के खिलाफ जन-आंदोलन की अपील

इस मौके पर यातायात प्रभारी संजय जायसवाल ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ता प्रदूषण और असंतुलित होता मौसम हमारे भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित हवा देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आम जनता से भी पुरजोर अपील की है कि लोग सिर्फ सरकारी अभियानों के भरोसे न बैठें, बल्कि हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पौधा जरूर लगाए और उसे पेड़ बनने तक संभाले। ट्रैफिक पुलिस का यह हरा-भरा संदेश अब पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। कार्यक्रम में ट्रैफिक थाने के उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षकों सहित पूरा स्टाफ मुस्तैद रहा।

खबर संक्षेप

9 जुलाई को निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

उमरिया। विभाग अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति, जमीन आवंटन एवं वन भूमि विवाद एवं अन्य संबंधित प्रकरणों की समीक्षा बैठक 9 जुलाई को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। संभागीय प्रबंधक मप्र सडक विकास निगम लिमि, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, महाप्रबंधक जल निगम, मध्यप्रदेश ग्रामीण विकास प्राधिकरण, परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग, कार्यपालन यंत्री लोनिवि, पीआईयू, जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा, पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन, हाउसिंग बोर्ड, सेतु निर्माण, मप्रपूक्षेविक , सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग , जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विका विभाग से कहा गया है कि बैठक में जानकारी के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

जिले में बीते 24 घंटे में 51.8 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि बीते 24 घंटे में 51.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ तहसील में 61.9 मिमी, मानपुर तहसील में 38.5 मिमी, पाली तहसील में 78.2 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 79.2 मिमी, चंदिया तहसील में 38.1 मिमी, करकेली तहसील में 54.4 मिमी, बिलासपुर तहसील में 12.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 7 जुलाई तक 215.1 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 267.3 मिमी, मानपुर तहसील में 142.1 मिमी, पाली तहसील में 254.4 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 248.6 मिमी, चंदिया तहसील में 158 मिमी, करकेली तहसील में 269.8 मिमी, बिलासपुर तहसील में 165.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी दिनांक तक जिले में कुल 476 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 438 मिमी, मानपुर तहसील में 435.8 मिमी, पाली तहसील में 435.6 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 428 मिमी, चंदिया तहसील में 611-4 मिमी, करकेली तहसील में 399.3 मिमी, बिलासपुर तहसील में 584.2 मिमी वर्षा शामिल है ।

प्रधान पुजारी एवं प्रबंध समिति के सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आज

उमरिया। मध्यप्रदेश तीर्थस्थान द्वारा प्रस्तावित पुजारी प्रशिक्षण , सेमीनार के संबंध शहडोल के जिला उमरिया में शासन संधारित मंदिर, अधिनियमित मंदिर, सार्वजनिक मंदिर, नर्मदा नदी परिक्रमा पथ पर प्रतिष्ठित आश्रम के पुजारी एवं प्रबंध समिति तथा उक्त जिलों के प्रमुख मेलों एवं तीर्थों के प्रधान पुजारी एवं प्रबंध समिति के सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक 8 जुलाई 2026 को समय प्रातः 11 बजे कलेक्टर सभागार में किया जाना प्रस्तावित है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी मानपुर, करकेली, पाली, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तहसील बांधवगढ, चंदिया बिलासपुर, करकेली, नौरोतजाबाद, पाली, मानपुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका उमरिया, पाली नगर परिषद चंदिया, नौरेजाबाद, मानपुर से कहा गया है कि नियत तिथि एवं समय पर कलेक्ट्रेट सभागार उमरिया में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर भव्य कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। महान राष्ट्रवादी विचारक, प्रखर शिक्षाविद् और अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जन्म जयंती के अवसर पर पाली ब्लॉक स्थित एकलव्य विद्यालय में एक गरिमामयी एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत श्माय युवा भारत के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रवाद और नेतृत्व क्षमता का विकास करना था। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यवहार न्यायालय की न्यायाधीश सुश्री तारा मार्को और विशिष्ट अतिथि के रूप में माय युवा भारत के जिला अधिकारी उमा शंकर त्रिवेदी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि न्यायाधीश सुश्री तारा मार्को ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन अनुशासन, शिक्षा और राष्ट्र-समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने युवाओं को उनके कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया और समाज में न्याय व समानता स्थापित करने में युवा वर्ग की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उमरिया में निलंबन आदेश को ठेंगे पर रखकर दागी प्रबंधक डकारता रहा करोड़ों!

कागजों पर सस्पेंड, कुर्सी पर परमानेंट

वर्ष 2022 के आदेश की सहकारिता विभाग ने ही निकाली हवा

आखिर आर.डी. तिवारी के सर पर किसका हाथ

उमरिया। जिले के सहकारिता विभाग में नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाने वाला एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने समूचे प्रशासनिक अमले की साख को तार-तार कर दिया है। मामला सेवा सहकारी समिति मर्यादित कोटरी का है, जहाँ भ्रष्टाचार और रसूख के गठजोड़ ने सरकारी आदेशों की ऐसी अंतिम यात्रा निकाली कि देखने वाले दंग रह गए। जिस प्रभारी प्रबंधक आर.डी. तिवारी को विभाग ने साल 2022 में ही गंभीर अनियमितताओं के चलते सस्पेंड (निलंबित) करने का फरमान जारी किया था, वह दागी प्रबंधक सालों-साल मजे से कुर्सी पर बैठकर करोड़ों रुपये के वित्तीय खेल खेलता रहा। यह महकमे की अंधेरगर्दी नहीं तो और क्या है?

फिर भी दबा दी गई सस्पेंशन की फाइल!

दस्तावेजों के मुताबिक 28 जुलाई 2022 को विभाग द्वारा एक कड़ा आदेश जारी किया गया था। इस आदेश में साफ तौर पर लिखा था कि जांच के दौरान आर.डी. तिवारी की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के विपरीत और अवैध पाई गई है। लिहाजा, उन्हें तत्काल प्रभाव से पद से निलंबित किया जाता है और संस्था का पूरा प्रभार सहायक लिपिक मनोज द्विवेदी को सौंपने के सख्त निर्देश दिए गए थे। इस आदेश की कॉपियां विभाग के आला अधिकारियों को भी पीठ थपथपाने के लिए भेजी गई थीं, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने रिश्वत के आगे नतमस्तक सिस्टम की पोल खोलकर रख दी।

आखिर किसके संरक्षण में चलता रहा यह अवैध राज

अब जनता के बीच यह यक्ष प्रश्न तैर रहा है कि जब निलंबन का लिखित आदेश जारी हो चुका था, तो उसे ठंडे बस्ते में क्यों डाल दिया गया? तीन साल तक इस आदेश का पालन कराने में सहकारिता विभाग के किस अधिकारी के हाथ कांप रहे थे, यदि आर.डी. तिवारी कागजों पर सस्पेंड थे, तो फिर समिति के प्रशासनिक और बैंक से जुड़े तमाम वित्तीय लेन-देन के चेक पर साइन करने का अधिकार उन्हें किसने दिया? इस गंभीर लापरवाही से यह साफ है कि विभाग के बड़े अफसरों की जेबें गर्म थीं, जिसके चलते एक सस्पेंडेड अधिकारी राजा बाबू बनकर घूमता रहा।

कार्रवाई नहीं हुई तो ठप करेंगे चक्काजाम

इस महालापरवाही के उजागर होने के बाद कोटरी क्षेत्र के अन्नदाताओं और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। किसानों का कहना है कि एक तरफ गरीब किसान मामूली कागजी कमी के कारण दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, वहीं दूसरी तरफ विभाग के दागी अधिकारियों को खुली छूट दी गई है। किसानों ने जिला प्रशासन को खुले शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि समय रहते आर.डी. तिवारी की अवैध गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को जेल नहीं भेजा गया, तो वे सडक़ों पर उतरकर उग्र और लोकतांत्रिक आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सहकारिता विभाग की होगी।

अब जिला कलेक्टर की अग्निपरीक्षा

कागजी घोड़ों की रेस में माहिर सहकारिता विभाग का यह काला कारनामा अब पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। पूरा मामला अब जिला कलेक्टर और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के पाले में है। पूरे उमरिया जिले की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद से जागेंगे? क्या उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी या फिर हर बार की तरह इस बार भी मामले को दबाने के लिए फाइल-फाइल का खेल खेला जाएगा।

धान-गेहूं खरीदी के नाम पर करोड़ों का वारा-न्यारा

स्थानीय ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों का आरोप है कि कोटरी समिति के जरिए हर साल समर्थन मूल्य पर धान और गेहूं की बंपर खरीदी होती है। इसके अलावा करोड़ों रुपये का खाद-बीज का कारोबार और किसानों के लोन का लेन-देन होता है। जनता का सीधा आरोप है कि इस अवैध कार्यकाल के दौरान करोड़ों रुपये का वारा-न्यारा किया गया है। लोगों का कहना है कि जब प्रबंधक की कुर्सी ही तकनीकी रूप से अवैध थी, तो उसके द्वारा पिछले तीन सालों में लिए गए सभी प्रशासनिक और वित्तीय फैसले भी पूरी तरह अवैध हैं। इसकी उच्च स्तरीय फॉरेंसिक और ऑडिट जांच होनी चाहिए।

बिजली करंट से युवक की दर्दनाक मौत, खंभे के नीचे मिला शव, तार चोरी के प्रयास में हादसा

पूर्व में कई स्थान से तार काटने की हो चुकी है घटना, जांच में जुटी पुलिस

कोतमा। नगर पालिका वार्ड क्रमांक-4 स्थित सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल के पीछे बिजली के खंभे के नीचे मंगलवार की सुबह एक आदिवासी युवक का शव पाया गया। मृतक की पहचान संतराम सिंह गोंड 35 वर्ष पिता इंद्रपाल सिंह गोंड, निवासी वार्ड क्रमांक-4, सोनू अग्रवाल साइकिल स्टोर के मकान में निवासरत के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह लोगों ने खंभे के नीचे युवक का शव पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि मृतक के हाथ में प्लास रखा हुआ था तथा हाथ और सीना बुरी तरह झुलसा हुआ था। प्रारंभिक जांच से आशंका जताई जा रही है कि युवक बिजली के तार काटने या चोरी करने के दौरान करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से बिजली काटने में उपयोग होने वाले औजार भी जब्त किए गए हैं। मामले में मर्ग कायम कर विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी गई है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विद्युत विभाग कोतमा के कनिष्ठ अभियंता लालमणि प्रजापति ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से बिजली के तार काटने, तार चोरी करने तथा ट्रांसफार्मरों को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। इन घटनाओं की शिकायत समय-समय पर थाना कोतमा में लिखित रूप से की जाती रही है। विभाग को लाखों रुपए का आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह घटना भी बिजली तार चोरी के प्रयास से जुड़ी प्रतीत होती है, हालांकि अंतिम निष्कर्ष पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा। कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि वहां से दो लाइन गुजरी है, एक खंभे से दो फेज तार काट दिए थे, लेकिन तीसरा काटने के दौरान वह संभवतः दूसरी लाइन की प्रवाहित विद्युत काटने वाले फेस के संपर्क में करंट आ जाने की चपेट में उसकी मौत हो गई। पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज सोनी बताया ने बताया कहा कि सूचना मिलते ही वे घटनास्थल पहुंचे थे। घटनास्थल की स्थिति देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि युवक बिजली के तार काटने के दौरान करंट की चपेट में आया। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने की मांग की। मृतक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि 7 जुलाई की रात लगभग 1 बजे उनके पति घर से मोबाइल और चप्पल छोड़कर निकले थे। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिवार चिंतित था। मामले में थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला ने बताया कि मर्ग कायम कर अग्रिम कार्रवाई जारी है। शव का पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने जनसुनवाई में सुनी 149 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने जिले के दूर दराज से आए 149 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया । जनसुनवाई में शिवलाल बर्मन ग्राम मड़वा ने किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, संदीप पटेल ग्राम कटहार ने फैसिंग किए गए अतिक्रमण को हटाने, बारे लाल प्रजापति मानपुर ने नक्सा तरमीम एवं सीमांकन कराने, कुंजीलाल , फूलचंद , प्रियांस सहित समस्त ग्रामीण ग्राम पंचायत लोढ़ा ने गौ माता की रक्षा के लिए सेमरहा नाला में बनें बांध का गहरीकरण एवं मरम्मत कराने, सुरेश प्रसाद मानपुर ने सार्वजनिक रास्ता खुलवाने, नान बाई ग्राम गिठौरी ने वृध्दावस्था पेंशन का लाभ दिलाने, पवन खटिक निवासी कैंप ने ठेकेदार रसोले से ट्रेक्टर व्दारा कराए गए कार्य का भुगतान करानें, दादू रामपाल ने कपिलधारा के स्वीकृत कूप निर्माण की राशि का भुगतान कराने, दीपेंद्र कुमार गौतम पिपरिया ने गंभीर बीमारी के इलाज हेतु सहायता राशि उपलब्ध कराने, संतोष विश्वकर्मा खलेसर ने गिरे घर की मरम्मत हेतु सहायता राशि उपलब्ध करानें, गणेश प्रजापति करौंदिया ने मजदूरी का भुगतान कराने संबंधी आवेदन दिया। संबंधित आवेदनों को कलेक्टर व्दारा विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करनें के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बॉक्स क्रिकेट टर्फ का हुआ भूमिपूजन

कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 लहसुई कैंप में विकास कार्यों को गति देते हुए सोमवार को भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वर्गीय मीना अंकित सोनी के पार्षद रहते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को 1 अगस्त 2025 को एक पत्र लिखकर यह मांग किया गया था कि वार्ड नंबर 13 में बॉक्स क्रिकेट टॉप का निर्माण कराया जाए जिस पर नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ ने सोमवार को वार्ड में 27,76,136 रुपये की लागत से बनने वाले बॉक्स क्रिकेट टर्फ का विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही, नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ के द्वारा वार्ड नंबर 13 निवासियों की सुविधा के लिए कई अन्य महत्वपूर्ण और नए विकास कार्यों की सौगात भी दी है। नगर पालिका परिषद द्वारा लहसुई कैंप के विकास के लिए निर्माण कार्यों की घोषणा और स्वीकृति दी गई है। मीरा खदान शिव मंदिर के पास एवं चक्की मोहल्ला के पास सांस्कृतिक मंचों का निर्माण किया जाएगा। सनोवर अली के घर से लेकर सूरज के घर तक सी.सी. सड़क बनाई जाएगी। मीरा खदान से लेकर एफएसटीपी तक सुगम पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य करवाया जायेगा। जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए वार्ड में कई मार्गों पर आर.सी.सी. नाली का निर्माण कार्य किया जाएगा, जिनमे अशोक पाल के घर से रीवा योगी के घर तक हरिओम के घर से सूरज के घर तक, सुरेश कोल के घर से विपिन के घर तक, हरिओम के घर से आशा पांडे के घर तक। भूमि पूजन कार्यक्रम मे नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, बद्री वैशाली तामकार, लोक निर्माण सभापति छाया प्रदीप सोनी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नीलम सिंह, उपयंत्री उमेश त्रिपाठी, अजय विश्वकर्मा सहित नागरिक उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत अभियान को आईना दिखा रहा केल्हौरी पंचायत का वार्ड-6

गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा

चचाई।

केंद्र और राज्य सरकार स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का दावा कर रही हैं, लेकिन जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत केल्हौरी में यह अभियान केवल दीवारों पर लिखे नारों तक सीमित नजर आ रहा है। पंचायत के वार्ड क्रमांक-6 सहित कई इलाकों में गंदगी और जलभराव ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। नालियों की सफाई और पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से सड़कों पर गंदा पानी जमा है, जिससे पूरे क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत केल्हौरी के कुल 20 वार्डों में 6 वार्ड केल्हौरी-मौहार टोला तथा 14 वार्ड विद्युत नगरी चचाई क्षेत्र में आते हैं। चचाई क्षेत्र की साफ-सफाई का कार्य मंडल के सिविल विभाग द्वारा कराया जाता है, जबकि पंचायत की जिम्मेदारी केवल छह वार्डों की है। इसके बावजूद पंचायत अपने सीमित क्षेत्र में भी प्रभावी सफाई व्यवस्था कायम नहीं कर पा रही है। सबसे अधिक समस्या वार्ड क्रमांक-6 में है, जहां नालियों की नियमित सफाई नहीं होने और उचित जल निकासी की व्यवस्था के अभाव में सड़कें गंदे पानी से लबालब रहती हैं। स्थिति यह है कि लोगों का पैदल निकलना मुश्किल हो गया है

और कई स्थानों पर वाहन भी गंदे पानी से होकर गुजरने को मजबूर हैं। वार्ड में चार छोटे-छोटे निजी विद्यालय संचालित हैं। प्रतिदिन सैकड़ों बच्चों और अभिभावकों को गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द सफाई नहीं कराई गई तो बरसात के मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है।

स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार सरपंच और सचिव से नालियों की सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मजबूरी में कई बार कॉलोनीवासियों ने स्वयं चंदा कर सफाई भी कराई, लेकिन स्थायी समाधान नहीं होने से स्थिति जस की तस बनी हुई है। रहवासियों का कहना है कि पंचायत के पास स्वच्छता अभियान के तहत कचरा संग्रहण वाहन उपलब्ध है, लेकिन वह कभी गांव में कचरा उठाते दिखाई नहीं देता। वहीं वार्ड क्रमांक-6 की आवासीय कॉलोनी में एक भी कचरा घर नहीं बनाया गया है। केवल केल्हौरी मुख्य मार्ग पर एक कचरा घर बना दिया गया है, जिससे कॉलोनी वासियों को कोई लाभ नहीं मिल रहा। मौहार टोला क्षेत्र में कई प्रभावशाली जनप्रतिनिधियों और नेताओं का निवास होने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और पंचायत प्रशासन केवल कागजी दावों तक सीमित है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत केल्हौरी की स्वच्छता व्यवस्था की जांच कराई जाए, वार्ड क्रमांक-6 सहित प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल नालियों की सफाई, जल निकासी की स्थायी व्यवस्था तथा नियमित कचरा संग्रहण सुनिश्चित कराया जाए, ताकि लोगों को गंदगी और संभावित संक्रामक बीमारियों के खतरे से राहत मिल सके।

17-18 जुलाई को जमुना बनेगा कुश्ती का अखाड़ा

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पहलवान दिखाएंगे दमखम

बदरा/जमुना। खेल प्रेमियों और क्षेत्रवासियों के लिए एक बार फिर रोमांच और परंपरा से भरपूर कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन होने जा रहा है। 17 एवं 18 जुलाई को मेन दुर्गा पंडाल, जमुना कालरी में दो दिवसीय विशाल दंगल (कुश्ती) प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के महिला एवं पुरुष पहलवान अपने दांव-पेंच और दमखम का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष आयोजित दंगल प्रतियोगिता को क्षेत्रवासियों का अभूतपूर्व सहयोग और अपार जनसमर्थन मिला था। हजारों की संख्या में दर्शकों की मौजूदगी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया था। उसी सफलता से प्रेरित होकर इस वर्ष प्रतियोगिता को पहले से अधिक भव्य और व्यापक स्वरूप दिया गया है, ताकि खेल प्रेमियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की रोमांचक कुश्तियां देखने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि दंगल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण खेलों की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। ऐसे आयोजन युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हैं तथा क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच भी प्रदान करते हैं। राम अवध सिंह ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने परिवार सहित बड़ी संख्या में आयोजन स्थल पर पहुंचें, पहलवानों का उत्साहवर्धन करें और इस ऐतिहासिक खेल महोत्सव को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी दंगल प्रतियोगिता क्षेत्र के लिए यादगार साबित होगी और खेल प्रेमियों को रोमांच से भरपूर मुकाबले देखने को मिलेंगे। आयोजकों के अनुसार दोनों दिनों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला और पुरुष पहलवानों के बीच कई रोमांचक मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में नामचीन पहलवान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जिससे जमुना कालरी एक बार फिर कुश्ती प्रेमियों का प्रमुख आकर्षण बनेगा। आयोजन को लेकर क्षेत्र में व्यापक उत्साह है और बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

दो पहिया वाहन और कार में टक्कर, एक की मौत दूसरा गंभीर मंत्री ने दिखाई संवेदनशीलता, घायलों के लिए रोका काफिला

हरिभूमि न्यूज कोतमा। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 मे टोल प्लाजा के पास ग्राम बैहा टोला में कार और बाइक में सीधी टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिस दौरान यह दुर्घटना हुई कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल अनूपपुर में आयोजित भाजपा की बैठक में सम्मिलित होकर वापस बिजुरी की ओर लौट रहे थे जहां उन्होंने रास्ते में घायल अवस्था में पड़े हुए लोगों को देखा और तुरंत ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फोन करते हुए एम्बुलेंस मौके पर बुलवाया और बेहतर उपचार के निर्देश दिए। दुर्घटना में मेघ दास चौधरी 43 वर्ष की उपचार के दौरान मौत हो गई वहीं रूप सिंह गोड 37 वर्ष दोनों निवासी ग्राम बेलिया बड़ी थाना कोतमा गंभीर रूप से घायल है। जिसे उपचार के लिए कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे भर्ती कराया गया।

खबर संक्षेप

कुशल नेतृत्व और मानवीय संवेदनाओं की पहचान बने चंद्रशेखर काशीकर, सम्मानपूर्वक दी विदाई

अमलाई। ओरिएंट पेपर मिल के मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) चंद्रशेखर काशीकर के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह भावनात्मक माहौल में संपन्न हुआ। अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों ने उनके कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उद्योग के विकास के साथ-साथ कर्मचारियों के हितों और सामाजिक सरोकारों को भी हमेशा प्राथमिकता दी।
वक्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में उत्पादन क्षमता बढ़ाने, गुणवत्ता सुधार और सुरक्षा मानकों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए। उनकी कार्यशैली पारदर्शी, अनुशासित और परिणामोन्मुख रही, जिससे उद्योग में सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित हुई।कर्मचारियों ने उन्हें सहज, सरल और संवेदनशील प्रशासक बताते हुए कहा कि वे हर कर्मचारी की समस्या को गंभीरता से सुनते थे और उसके समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। शिक्षा के क्षेत्र में भी उन्होंने कर्मचारियों के बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण पहल की। समारोह में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व, कार्य के प्रति समर्पण और मानवीय दृष्टिकोण लंबे समय तक प्रेरणा देता रहेगा। अंत में सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और सफल जीवन की कामना करते हुए सम्मानपूर्वक विदाई दी।

देवेंद्र मिश्रा एवं ब्रजेन्द्र मिश्रा के पिता का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

अमलाई। बरगवां क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा के निधन से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है। वे क्षेत्र के पत्रकार देवेंद्र मिश्रा एवं ब्रजेन्द्र मिश्रा के पिता थे। उनके निधन का समाचार मिलते ही सामाजिक, पत्रकारिता एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया। दिवंगत सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा अपने सरल, सौम्य एवं मिलनसार स्वभाव के कारण क्षेत्र में सम्मानित थे। उनके निधन से समाज ने एक स्नेही एवं आदरणीय व्यक्तित्व को खो दिया है।

भरी बरसात में बिना छाया के हुए मवेशी, जनपद सीईओ को जानकारी देने के बाद भी नहीं मिली राहत

पशु सेड में नहीं मिली छाया

अधिकारियों के आदेश को नहीं मानते ग्राम पंचायत के सरपंच ग्राम पंचायत बराछ का मामला

ब्यौहारी-। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जयसिंहनगर जनपद के ग्राम बराछ के बड़का बेल ग्राम के रहने वाले वासुदेव कहार ने मीडिया को बताया कि 6 माह पहले ग्राम पंचायत को अप्रत्यक्ष रूप से चलने वाले भाजपा नेता श्रीधर गर्ग आए और मनमानी पूर्वक हमारे पेड़ को काट दिया और बोलने लगे यहां पर पशुसेड बनेगा और मनमानी पूर्वक मेरी ओसारी को गिरा दिया पेड़ काट दिया। जब मैंने कहा कि यदि पशुसेड बनना है तो नया बनना चाहिए मुझे पुराने में ही छाया नहीं चढ़ना है मुझको तब फिर मुझे मटेरियल सीमेंट और गिट्टी दे गए उसके बाद कोई फिर कर झांकने नहीं आया मैं और मेरे परिवार में स्वयं मजदूरी करके इसको तैयार किया अब जब पशु सेड बन गया है इसके लिए छाया की मांग कर रहा हूं तो ग्राम पंचायत के सरपंच और भाजपा नेता श्रीधर गर्ग द्वारा सीट नहीं दिलवाई जा रही है इस संबंध में मैंने कई बार सरपंच सचिव और अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इंजीनियर रईस उद्दीन को

जानकारी दी गई तो उन्होंने कहा कि आपका सरपंच से विवाद है इसलिए मैं कुछ नहीं कर सकता। सीईओ ने भी नहीं की कोई करवाई। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सीईओ शिवानी जैन को जानकारी दी गई इसके बावजूद भी भाजपा नेता ने उनको भी अपने प्रभाव में लेकर गुमराह कर दिया और हितग्राही को छाया नहीं मिली अब भरी बरसात में उसके मवेशी कहां जाएं वासुदेव कहार ने बताया कि यदि इसी तरह से करना होता तो मुझे नहीं चाहिए पशुसेड पशूसेड में मजदूरी का भुगतान हितग्राही के खाते में किया जाता है जो मस्टर निकल गए उन मस्टरों का पैसा किन के खातों में गया इसकी भी जांच कराई जाए पशु सेड कितने का मंजूर हुआ कितना पैसा निकाला आज तक इसकी जानकारी सरपंच सचिव द्वारा नहीं दी गई अधिकारी भी पूरी तरह से भाजपा नेता श्रीधर गर्ग के इशारे पर काम कर रहे हैं आवेदक ने मुख्यमंत्री पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री एवं कलेक्टर से शीघ्र समस्या समाधान की मांग की है ।

जांच करने पहुंचे जेई लेकिन नहीं की कोई कार्रवाई

-मिली भगत करने वाले विद्युत कर्मियों के खिलाफ को कार्रवाई

ब्यौहारी-। विकासखंड व्यवहारी के अंतर्गत विद्युत वितरण केंद्र बाणसागर के बुढ़वा क्षेत्र के धरी नंबर 2 के छिपियान मोहल्ले में शिवकुमार नामदेव, प्रदुमन द्विवेदी, छेदीलाल नाम देव द्वारा आज कई सालों से पंप लगाकर बिजली की चोरी की जा रही है इस चोरी की जानकारी आउटसोर्स कर्मचारी और विद्युत विभाग के लाइनमैन को है लेकिन उनके द्वारा संबंधित लोगों से सुविधा शुल्क लेकर कोई कार्रवाई नहीं की जाती इस गठ जोड़ पर बिजली चोरी के संबंध में खबर प्रकाशित की गई थी खबर प्रकाशन के बाद जूनियर इंजीनियर देवलोंद विवेक चौहान बुढ़वा पहुंचे लेकिन इन लोगों के खेतों में जांच करने नहीं गए ना ही इन लोगों को नोटिस जारी किया गया जबकि नियम के मुताबिक जिन लोगों के नाम आ रहे थे उन लोगों के खेतों में जाकर पंप जप्ती की कार्रवाई करते हुए जुर्माना बनाना चाहिए लेकिन पता नहीं किसके दबाव में बैरग लौट गए और अभी भी धड़ल्ले से धरी नंबर 2 और साथनी में में पंप चल रहे हैं अब देखने वाली बात यह होगी कि विद्युत विभाग इन लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करता है या फिर धड़ल्ले से चोरी होने देता है क्योंकि जो लोग धड़ल्ले से बिजली चोरी करते हैं उनके बिजली चोरी का भार आम उपभोक्ताओं पर डाल दिया जाता क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री ऊर्जा मंत्री एवं कलेक्टर से इन क्षेत्रों में सघन अभियान चला कर बिजली चोरी करने वालों के पंप जप्त कर जुर्माना वसूले जाने की मांग की है और कार्रवाई का विवरण सभी समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाए जिससे सभी क्षेत्रों में बिजली चोरी पर लगाम लग सके। और जो भी विभाग के कर्मचारी की भूमिका संदिग्ध है ऐसा तो हो नहीं सकता कि कई सालों से बिना टच के पंप चल रहा है और क्षेत्र के लाइनमैन और आउटसोर्स कर्मचारी को पता ना हो ऐसे लोगों को चिन्हित उनकी सेवा समाप्त की जाए।

एक माह बाद भी चोरी का खुलासा नहीं, पुलिस के हाथ अब तक खाली

ब्यौहारी। ब्यौहारी थाना अंतर्गत ग्राम पसगड़ी में रामनिवास पयासी के यहां 11 जून 2026 को हुई लगभग 15 लाख रुपये की ज्वेलरी चोरी की घटना को एक माह का समय बीत चुका है, लेकिन ब्यौहारी पुलिस अब तक चोरों तक नहीं पहुंच सकी है। घटना के बाद पुलिस ने मौके से फिंगरप्रिंट लिए और PTSN/ मोबाइल लोकेशन डेटा सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की थी। इसके बावजूद अब तक न तो आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकी है और न ही चोरी गई ज्वेलरी बरामद हो पाई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के तत्काल बाद पुलिस ने जल्द खुलासे का आश्वासन दिया था, लेकिन एक माह बीतने के बाद भी जांच किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंची है। इससे पीड़ित परिवार में निराशा है, वहीं क्षेत्रवासियों में भी पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं।
स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते चोरी जैसी गंभीर घटनाओं का खुलासा नहीं होता है, तो अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं और आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच में तेजी लाने, तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी उपयोग करने तथा जल्द से जल्द चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गई ज्वेलरी बरामद करने की मांग की है। क्षेत्रवासियों की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि आखिर एक माह बाद भी तकनीकी जांच के बावजूद पुलिस कब तक इस चर्चित ज्वेलरी चोरी का खुलासा कर पाती है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बुढ़ार में तीन दिवसीय प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन

बुढ़ार। मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सत्र 2026-27 में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु 1 जुलाई से 3 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय प्रवेश उत्सव का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बुढ़ार में किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गंगा मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।
कार्यक्रम के प्रथम दिवस नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. गंगा मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहाकि - अनुशासन, नैतिकता, संस्कार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी न केवल अपना और अपने परिवार का, बल्कि महाविद्यालय का भी नाम रोशन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन एवं महाविद्यालयीन गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को अपने-अपने विषयों, विभागों तथा महाविद्यालय की अधोसंरचना एवं उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम के द्वितीय दिवस नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की लाइब्रेरी, प्रयोगशालाओं, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, छात्रावास एवं कार्यालय का भ्रमण कराया, साथ ही छात्रवृत्ति, आवास योजना, प्रतिभा किरण योजना, गांव की बेटी योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई, एवं तृतीय दिवस महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल उपाध्याय ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा योग एवं ध्यान को दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए योग एवं ध्यान का सत्र भी आयोजित किया गया।कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल उपाध्याय, प्रो. किरण सिंह, प्रो. एन. मानिकपुरी, प्रो. विनय सोनवानी, सहायक प्राध्यापक आर.सी. त्रिपाठी, डॉ. मनोज कुजूर, डॉ. एस.एन. प्रजापति, डॉ. अनूप सेन, डॉ. राधेश्याम नापित, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. ममता द्विवेदी, डॉ. जयशंकर सिंह, श्री शशि मोहन सेन, दीपक पटेल, कमलेश प्रजापति, श्रीमती रानू सोनी एवं डॉ. निपेंद्र सिंह करचूली सहित महाविद्यालय के समस्त

जन अभियान परिषद् के स्थापना दिवस पर किया गया पौधरोपण

शहडोल। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने बताया कि जन अभियान परिषद् के स्थापना दिवस पर विकासखंड ब्यौहारी के नवाकुर संस्था सेक्टर क्रमांक 01 जगदंबा जन विकास समिति भमरहा प्रथम द्वारा हाई स्कूल भमरहा में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में जनपद सदस्य हरिशरण चतुर्वेदी, हाई स्कूल के प्राचार्य भारती पटेल, ब्लॉक समन्वयक शिवदत्त उर्मिलिया, जगदंबा जन विकास समिति के अध्यक्ष यमुना प्रसाद नापित, रामकृष्ण चतुर्वेदी, केशव पटेल, बलराम सिंह सहित अन्य लोगो ने फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का पौधरोपण किया। कार्यक्रम में बताया कि जल, जंगल, जमीन को सुरक्षित रखने हेतु समस्त जन मानस मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाये एवं उसे बचाने का संकल्प लें जिससे आने वाले समय में पर्यावरण संतुलित हो सकें। कायक्रम में स्वैच्छिकता पर्व पर संकल्प दिलाया गया।

यूजीसी के निर्देशानुसार मानसिक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित हुई प्रेरक गोष्ठी

भारतीय ज्ञान परम्परा के बीज मंत्रों से तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य पर हुआ विशेष व्याख्यान

शहडोल। पण्डित शम्भूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र व्यक्तित्व विकास विषय पर एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, अनुशासित दिनचर्या तथा भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित जीवन मूल्यों को अपनाकर मानसिक संतुलन बनाए रखना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ. कैलाश जाटव ने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ युवा ही राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से तनावमुक्त जीवन शैली अपनाने एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढने का आह्वान किया।
गोष्ठी में भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित बीज मंत्रों के महत्व पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। वक्ताओं ने बताया कि बीज मंत्रों का नियमित जप, ध्यान एवं योग मानसिक एकाग्रता, सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति प्रदान करने में सहायक है। भारतीय ज्ञान परम्परा में वर्णित आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक उपाय आज भी मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के प्रभावी माध्यम हैं। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद पाण्डेय, कुलसचिव प्रो. डॉ. आशीष तिवारी, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, अतिथि विद्वान, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, तनाव प्रबंधन तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने का संकल्प दिलाया गया।

राज्य शिक्षा केंद्र ने 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम किए घोषित

5वीं में 80 प्रतिशत और 8वीं में 74 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण

सत्र 2025-26 में पांचवीं में कुल 98.89 और आठवीं में 98.19 प्रतिशत हुआ परीक्षा फल

शहडोल। मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए। विद्यार्थी व अभिभावक राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल पर परिणाम देख सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 की पुनः परीक्षा में कक्षा 5वीं में 80.42 एवं कक्षा 8वीं में 74.16 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं, मुख्य वार्षिक परीक्षा और पुनः परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या को मिलाकर इस सत्र में कक्षा 5वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.89 एवं कक्षा 8वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.19 प्रतिशत रहा है।
राज्य शिक्षा केन्द्र के अपर संचालक डॉ. अरूण सिंह ने बताया कि विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगण उक्त परिणामों को राज्य शिक्षा केन्द्र पर अपना रोल नम्बर डालकर देख सकते हैं। साथ ही शिक्षक, संस्था प्रमुख भी अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम इसी पोर्टल पर देख सकते हैं। गौरतलब है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 16 से 23 जून के बीच कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 71, 548 तथा कक्षा 8वीं के 76, 274 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में कुल 322 केन्द्र बनाए गए थे। 17, 000 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं के द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई थी।
वहीं कक्षा पांचवीं में शासकीय स्कूलों के कुल 46, 665 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें 36, 217 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। मदरसा में 581 में से 352 विद्यार्थी पास हुए हैं, तो वहीं अशासकीय स्कूलों के 24, 302 विद्यार्थियों में से 20, 971 विद्यार्थी परीक्षा में पास हुए हैं। इसी प्रकार कक्षा 8 वीं में शासकीय स्कूलों के कुल 56,738 विद्यार्थियों में से 40, 315 उत्तीर्ण हुए हैं। मदरसा के 423 में से 268 और अशासकीय विद्यालयों के 19, 113 में से 15,978 विद्यार्थी पास हुए हैं।

खराब पानी से फूकीं दो मशीनें, इलाज के लिए भटकने को मजबूर किडनी के मरीज

जिला अस्पताल में डायलिसिस व्यवस्था वेंटिलेटर पर, जनता ने खोला मोर्चा!

उमरिया। जिले की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में है। उमरिया जिला अस्पताल में कहने को तो जीवनदायिनी डायलिसिस यूनिट चल रही है, लेकिन हकीकत यह है कि यहाँ की व्यवस्था खुद वेंटिलेटर पर आ चुकी है। अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही का आलम यह है कि दूषित और खराब पानी की वजह से लाखों रुपये की दो डायलिसिस मशीनें कबाड़ में तब्दील हो चुकी हैं। नतीजा रोज 15 से 20 किडनी मरीज अपनी जान हथेली पर रखकर इलाज के लिए दूसरे जिलों और निजी अस्पतालों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

खनिज मद के भरोसे स्वास्थ्य विभाग

पांच मशीनों के भरोसे चल रहे जिला अस्पताल में अब सिर्फ तीन मशीनें ही सांसें ले पा रही हैं। जब पानी की खराबी से दो मशीनें फुकीं, तब जाकर स्वास्थ्य महकमे की नींद खुली। अब आनन-फानन में खनिज मद (डीएमएफ फंड) से तीन नई डायलिसिस यूनिट खरीदने का आवेदन कलेक्टर के पास भेजा गया है। प्रभारी सीएमएचओ डॉ. व्ही. एम. चंदेल का कहना है कि कलेक्टर को पत्र लिखकर फंड की डिमांड की गई है, पैसा मिलते ही नई मशीनें खरीदी जाएंगी, लेकिन सवाल यह उठता है कि जब तक यह फंड मंजूर होगा और मशीनें आएंगी, तब तक तड़पते मरीजों की सुध कौन लेगा?

पाली, मानपुर और चंदिया में लगाई जाएं नई मशीनें

इस अव्यवस्था को लेकर अब जिले की आम जनता ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर से दोटूक मांग की है कि खनिज मद से खरीदी जाने वाली इन तीन नई मशीनों को जिला अस्पताल में डंप करने के बजाय ग्रामीण क्षेत्रों में भेजा जाए।

हर हफ्ते का सफर, मरीजों पर भारी असर

वर्तमान में पूरे जिले के मरीजों को हफ्ते में दो से तीन बार डायलिसिस के लिए उमरिया मुख्यालय दौडऩा पड़ता है। दूर-दराज के इलाकों से आने वाले गरीब मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते, जिससे उनकी बीमारी जानलेवा स्तर तक बढ़ जाती है। अगर पाली, मानपुर और चंदिया में ये मशीनें लग जाती हैं, तो मरीजों का समय, पैसा और सबसे बढक़र उनकी जिंदगी बच जाएगी।

एक क्लिक की लापरवाही, जीवन भर की कमाई पर हो सकती है भारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

उमरियापान थाना परिसर में आमजन व ग्रामीणों को किया जागरूक, पंपलेट वितरित कर फर्जी लिंक, OTP, UPI फ्रॉड और डिजिटल ठगी से सतर्क रहने की दी सलाहउमरियापान। बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक बनाने के उद्देश्य से उमरियापान पुलिस द्वारा 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। थाना प्रभारी महेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में उमरियापान थाना परिसर में विशेष साइबर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान थाना परिसर में पहुंचे आमजन एवं ग्रामीणों को साइबर अपराधों के नए-नए तरीकों की जानकारी देते हुए डिजिटल सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया गया। पुलिस टीम ने साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित किए तथा लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचने के सरल और प्रभावी उपाय बताए।पुलिस ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी फर्जी बैंक कॉल, नकली कस्टमर केयर नंबर, ऑनलाइन निवेश, लॉटरी, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, यूपीआई फ्रॉड, क्यूआर कोड स्कैम, डिजिटल अरेस्ट, स्क्रीन शेयरिंग ऐप, फर्जी केवाईसी अपडेट, बिजली बिल, पार्सल डिलीवरी और ऑनलाइन जॉब ऑफर जैसे अनेक तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं।

खबर संक्षेप

प्रिंटिंग प्रेस के समीप शराब दुकान के पास फैली गंदगी से रहवासी परेशान

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 5 स्थित प्रिंटिंग प्रेस के समीप शराब दुकान के आसपास फैली गंदगी से स्थानीय रहवासियों में नाराजगी है। क्षेत्र के रहवासियों द्वारा उपलब्ध कराए गए फोटो एवं जानकारी के अनुसार शराब दुकान के आसपास खाली कांच की बोतलें डिस्पोजेबल गिलास प्लास्टिक एवं अन्य कचरा नाली और सड़क किनारे जमा है। इससे नाली का प्रवाह प्रभावित हो रहा है और आसपास अस्वच्छ वातावरण बना हुआ है। रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र में नियमित सफाई नहीं होने के कारण समस्या लगातार बढ़ रही है। बरसात के मौसम में नाली जाम रहने से जलभराव दुर्गंध और संक्रामक बीमारियों की आशंका भी बनी रहती है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र का शीघ्र निरीक्षण कर नालियों की सफाई कराई जाए नियमित कचरा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि क्षेत्रवासियों को गंदगी और दुर्गंध से राहत मिल सके।

हसदेव क्षेत्र की कॉलोनियों में बदहाल सफाई व्यवस्था, लाखों के टेंडर के बाद भी गंदगी का अंबार

राजनगर। हसदेव क्षेत्र के राजनगर आर.ओ. अंतर्गत संचालित एसईसीएल की श्रमिक कॉलोनियों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। लाखों रुपये के सफाई टेंडर होने के बावजूद कॉलोनियों में नियमित सफाई नहीं होने से कामगारों और उनके परिवारों में भारी नाराजगी है। कर्मचारियों का आरोप है कि ठेकेदार मनमाने ढंग से काम कर रहा है, जबकि सिविल विभाग निगरानी और कार्रवाई करने में पूरी तरह सुस्त नजर आ रहा है। राजनगर आरओ की ए-टाइप न्यू राजनगर कॉलोनी, बी-टाइप न्यू राजनगर कॉलोनी, कमलनगर, सुभाषनगर, प्रेमनगर, वर्कशॉप के सामने स्थित कॉलोनी तथा वार्ड क्रमांक-11 स्थित बच्चों के पार्क सहित कई श्रमिक बस्तियों में नियमित सफाई नहीं होने से जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। अधिकांश नालियां जाम हैं, जिससे बरसात का पानी सड़कों और गलियों में बह रहा है। खुले में पड़ा कचरा बारिश के साथ फैलकर संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले शांतिनगर कॉलोनी के युवाओं ने उपक्षेत्रीय प्रबंधक राजनगर आरओ राजेश कुमार राय को ज्ञापन सौंपकर सफाई व्यवस्था की शिकायत की थी। शिकायत के बाद उपक्षेत्रीय प्रबंधक के निर्देश पर सिविल विभाग हरकत में आया और शांतिनगर में सफाई अभियान शुरू कराया गया। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है।

मॉडल ट्राइबल स्कूल पर सियासत, सन्नाटा और 350 आदिवासी बच्चों का अधर में भविष्य

शिक्षा मंत्रालय ने मांगा प्रस्ताव, विश्वविद्यालय पर उठे सवाल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक का मॉडल ट्राइबल स्कूल अब केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि आदिवासी शिक्षा, प्रशासनिक जवाबदेही और व्यवस्था की पारदर्शिता का बड़ा सवाल बन गया है। एक ओर भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय अतिरिक्त बजट के लिए विश्वविद्यालय से विस्तृत प्रस्ताव मांगता है, दूसरी ओर अभिभावक संघ का आरोप है कि उन्हें लगातार गुमराह किया गया है। नौ दिनों से मूसलाधार बारिश में बच्चे और अभिभावक धरने पर हैं, जबकि विश्वविद्यालय प्रशासन सवालों के घेरे में खड़ा है।

अनूपपुर। आदिवासी अंचल में शिक्षा की अलख जगाने के उद्देश्य से स्थापित मॉडल ट्राइबल स्कूल आज अपने अस्तित्व और विस्तार की लड़ाई लड़ रहा है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक संचालन की वर्षों पुरानी मांग अब आंदोलन का रूप ले चुकी है। अभिभावकों ने कई सांसदों, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और शिक्षा मंत्रालय तक अपनी बात पहुंचाई थी। इसके बाद 12 जून 2026 को शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय को पत्र भेजकर अतिरिक्त बजट के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर वित्त समिति और कार्यकारी परिषद से अनुमोदन के बाद मंत्रालय भेजने के निर्देश दिए थे। इसका अर्थ यह था कि मंत्रालय ने मांग को खारिज नहीं किया, बल्कि विश्वविद्यालय को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा था। लेकिन अभिभावक संघ का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार पत्र प्राप्त न होने की बात कहता रहा है। गौरतलब हो कि पूर्व कुलपतियों की नीतियों, विद्यालय संचालन और प्रशासनिक निर्णयों पर भी कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

मंत्रालय का पत्र स्पष्ट, फिर प्रस्ताव क्यों नहीं?

12 जून 2026 को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय को लिखित निर्देश दिया कि मॉडल ट्राइबल स्कूल के लिए अलग अतिरिक्त बजट का विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाए। प्रस्ताव में वित्तीय आवश्यकता, औचित्य और विस्तार की योजना शामिल कर उसे विश्वविद्यालय की वित्त समिति एवं कार्यकारी परिषद से अनुमोदित कराने के बाद मंत्रालय भेजा जाए। यानी केंद्र सरकार ने रास्ता बंद नहीं किया, बल्कि प्रक्रिया पूरी करने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को सौंपी। अब सवाल यह है कि आखिर इस दिशा में अब तक क्या कार्यवाही हुई है?

अभिभावकों का आरोप आखिर पत्र को क्यों छिपाया गया

धरने पर बैठे अभिभावकों का आरोप है कि शिक्षा मंत्रालय का पत्र आने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार यह कहता रहा कि ऐसा कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। उनका कहना है कि यदि समय रहते मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर भेज दिया जाता, तो आज 350 से अधिक आदिवासी विद्यार्थियों का भविष्य संकट में नहीं होता। लगातार उपेक्षा और संवादहीनता के कारण ही उन्हें अनिश्चितकालीन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है।आज आंदोलन का नौवां दिन है और बारिश भी उनके हौसले को नहीं डिगा सकी है।

विश्वविद्यालय के फैसलों पर उठाए नए सवाल

विश्वविद्यालय ने इस पत्र ने इस पूरे विवाद को नया मोड़ दे दिया है। आपको बता दे कि पूर्व कुलपतियों के कार्यकाल में लिए गए कुछ प्रशासनिक निर्णयों के कारण मॉडल ट्राइबल स्कूल अपने मूल उद्देश्य तक नहीं पहुंच सका है। यदि विद्यालय को कक्षा 12वीं तक विकसित किया जाना था, तो आज भी यह आठवीं तक ही क्यों सीमित है? साथ ही उच्च कक्षाओं के संचालन, शिक्षकों की नियुक्ति और मान्यता से जुड़े मुद्दे अब विश्वविद्यालय प्रशासन के गले में हड्डी बन गई है। खैर इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि होना शेष है और विश्वविद्यालय की आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी सामने नहीं आई है।

बारिश में आंदोलन, बंद मुख्य द्वार और थमा विश्वविद्यालय

लगातार नौ दिनों से अभिभावक, छात्र-छात्राएं और महिलाएं विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर धरने पर बैठे हैं। मूसलाधार बारिश के बावजूद आंदोलन जारी है। प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक मॉडल ट्राइबल स्कूल में 9वीं से 12वीं तक कक्षाएं शुरू करने का लिखित आदेश जारी नहीं होगा, तब तक धरना समाप्त नहीं होगा। आंदोलन का असर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पड़ा है। काउंसलिंग और अन्य कार्य प्रभावित हुए हैं, जिससे बाहर से आए विद्यार्थियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

आखिरकार अब जवाबदेही किसकी?

अब यह मामला केवल विद्यालय विस्तार का नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का भी बन चुका है। यदि शिक्षा मंत्रालय ने प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया था, तो विश्वविद्यालय ने अब तक क्या कदम उठाए है? क्या प्रस्ताव वित्त समिति और कार्यकारी परिषद के समक्ष रखा गया है? यदि नहीं, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? दूसरी ओर विश्वविद्यालय के ऊपर लग रहे कई गंभीर आरोप कई बड़े सवाल खड़े किए हैं, जिनका तथ्यात्मक उत्तर विश्वविद्यालय प्रशासन को देना चाहिए। जब तक पारदर्शिता और स्पष्टता नहीं आएगी, तब तक यह विवाद और गहराता जाएगा।

19 दिनों से ठप पेयजल पंप ने खोली नगर पालिका की कार्यशैली की पोल

बूंद-बूंद पानी को तरसे सैकड़ों लोग

दीनदयाल रसोई, पुलिस लाइन और आसपास के वार्डों में गहराया पेयजल संकट

शिकायतों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन; नगर पालिका की जवाबदेही पर उठे गंभीर सवाल

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर की लापरवाही का एक और गंभीर मामला सामने आया है। शहर के पुराने नगर पालिका भवन परिसर में स्थापित पेयजल पंप पिछले 19 दिनों से बंद पड़ा है, लेकिन अब तक उसकी मोटर की मरम्मत या नई मोटर लगाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसका खामियाजा दीनदयाल रसोई में भोजन करने आने वाले जरूरतमंद लोगों, पुलिस लाइन के कर्मचारियों और आसपास के वार्डों में रहने वाले सैकड़ों परिवारों को भुगतना पड़ रहा है। लोग रोजाना पीने के पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारी पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए नागरिकों का इस तरह परेशान होना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सबसे अधिक परेशानी दीनदयाल रसोई में भोजन करने आने वाले गरीब, मजदूर और जरूरतमंद लोगों को हो रही है, जिन्हें भोजन के साथ स्वच्छ पेयजल तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा। दूसरी ओर पुलिस लाइन के कर्मचारी और आसपास के वार्डों के रहवासी भी पिछले 19 दिनों से जल संकट झेल रहे हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद नगर पालिका ने समस्या के समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यदि यही समस्या किसी वीआईपी क्षेत्र में होती तो कुछ घंटों के भीतर मोटर बदलकर पानी की व्यवस्था बहाल कर दी जाती, लेकिन आम जनता की परेशानी को नजरअंदाज किया जा रहा है। 19 दिनों तक एक खराब मोटर को नहीं बदल पाना नगर पालिका की कार्यक्षमता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। शहरवासियों का कहना है कि नगर पालिका का पहला दायित्व नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है, लेकिन सबसे बुनियादी सुविधा ही लोगों को नहीं मिल पा रही है। विडंबना यह है कि मानसून के मौसम में भी शहर के बीचों-बीच लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि नगर पालिका की प्राथमिकताओं में आम जनता की मूलभूत समस्याएं पीछे छूट गई हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष और जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या पर आखिर कब संज्ञान लेंगे?

नागरिकों ने नगर पालिका अध्यक्ष और संबंधित अधिकारियों से तत्काल नई मोटर लगाकर पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें जनआंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी। पेयजल किसी भी नागरिक के लिए सुविधा नहीं, बल्कि उसका बुनियादी अधिकार है। यदि 19 दिनों तक शहर के बीचों-बीच लोग पानी के लिए तरसते रहें और जिम्मेदार तंत्र मूकदर्शक बना रहे, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आम जनता की पीड़ा के प्रति संवेदनहीनता का भी स्पष्ट उदाहरण माना जाएगा।

जनता के सवाल, जवाब किसके पास?

आखिर 19 दिनों तक एक खराब मोटर क्यों नहीं बदली जा सकी?

क्या नगर पालिका के पास इतनी भी व्यवस्था नहीं कि पेयजल जैसी आवश्यक सेवा तत्काल बहाल की जा सके?

क्या आम जनता की शिकायतें केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं?

बरसात के दिनों में दूषित पानी से बीमार हो रहे लोग

नहीं होती नियमित जांच, उत्पादन की तिथि तथा वैधता भी नहीं होती दर्ज

अनुपपुर। जिले में इन दिनों स्थानीय स्तर पर निर्मित पानी के पाउच की बाढ़ सी आई हुई है। कम लागत में अधिक मुनाफे के फेर में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के बस स्टैंड और बाजार वाले इलाके में अमानक पानी पाउचों की ज्यादा बिक्री हो रही है। बढ़ते कारोबार को देखते हुए मुनाफा कमाने के लिए अमानक पानी पाउच बेचने वाले सक्रिय हो गए हैं। ऐसे में लोगों की सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। गर्मी शुरू होते ही नगर के होटलों, किराना दुकान और छोटी बड़ी ठंडा की दुकानों पर स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे पानी के पाउचों की बिक्री तेज होती गई। एक रुपए में बिकने वाले पाउच अब पांच रुपए में दो बेचे जा रहे हैं। पन्नी में बंद पानी कहने को तो आइएसआइ मार्क वाला फिल्टर पानी है, लेकिन हकीकत में यह पानी स्थानीय स्तर पर पैक किया जा रहा है। बाजार में मिलने वाले अधिकांश पानी पाउच में न तो पैकिंग तारीख अंकित होती है न एक्सपायरी डेट लिखी रहती है। यह पानी भले ही तात्कालिक रुप से लोगों के कंठ को तर कर राहत देने में मददगार साबित हो रहे हैं, लेकिन बाद में न जाने कितनी बीमारियों का कारण बन रही हैं। यह पानी पाउच खाद्य एवं औषधि विभाग से बिना अनुमति एवं नगरीय प्रशासन कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराएं बिना ही बेचे जा रहे हैं। इन अधिकांश पाउचों में न तो वाटर प्लांट का पता लिखा है न ही इमेल पता होता है। फिर भी यह नकली पाउच बाजार में धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं। किसी भी कंपनी को पानी के पाउच निर्माण के लिए प्रशासन द्वारा जारी लाइसेंस की जरूरत होती है। वहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की अनुमति भी होना आवश्यक है। इसके अलावा पानी के पाउचों को पैकिंग तारीख दी जाती है। जिसमें उस तारीख से निर्धारित समयावधि की भी जानकारी देना अनिवार्य होता है। पैकेट पर नैचुरल, पारंपरिक और शुद्ध निर्माण जैसे शब्द कंपनियों द्वारा मनमाने तरीके से लिखे जा रहे हैं। निर्माता कंपनियां प्रोडक्ट की परिभाषा खुद तैयार कर ऐसे लुभावने शब्द लिखकर ग्राहकों से मनमाने दाम वसूल रही हैं। एफएसएसआइ नई दिल्ली ने कंपनियों पर नकेल कसने के लिए नेचुरल, शुद्ध सहित पारंपरिक परिभाषा तय की है। कोई कंपनी गलत दावा करती है, तो उसे 10 लाख रुपए तक जुर्माना देना पड़ सकता है। जिला मुख्यालय के होटलो तथा ढाबों में पानी के नाम पर लोगों को बीमारी दिया जा रहा है, लगातार बोतल तथा पानी पाउच की बिक्री को लेकर जांच नहीं की जाती जिसको लेकर होटल तथा ढाबा संचालकों के हौसले बुलंद हैं, और मनमाने रेट पर बोतल तथा पानी पाउच बेचने को लेकर तैयार रहते हैं, कार्यवाही न होने से इनके हौसले बुलंद है, वहीं टंकी में भरकर कई ढोनों का पानी ग्राहकों को पिलाकर उन्हें बीमारी देने का काम भी ढाबा तथा होटल संचालक कर रहे हैं।

बारिश में अद्भुत छटा बिखेर रहा अमरकंटक का कपिलधारा जलप्रपात

प्रकृति और आस्था का अनुपम संगम

अमरकंटक। लगातार हो रही वर्षा ने पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित कपिलधारा जलप्रपात को अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर कर दिया है। घने वनों, विंध्य और सतपुड़ा की पर्वतमालाओं के मध्य स्थित यह रमणीय जलप्रपात इन दिनों अपने पूर्ण वेग और विराट स्वरूप में प्रवाहित होकर प्रकृति प्रेमियों, पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहा है। वर्षा ऋतु में प्रचंड वेग से गिरती जलधारा, चारों ओर फैली हरियाली और बादलों की धुंध कपिलधारा की सुंदरता में चार चांद लगा रही है। यही कारण है कि इस मनोहारी दृश्य के दर्शन के लिए दूर-दूर से बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु अमरकंटक पहुंच रहे हैं। मां नर्मदा की पावन धारा पर स्थित यह प्रथम जलप्रपात धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी पावन स्थल पर महान तपस्वी महर्षि कपिल मुनि ने कठोर तपस्या कर दिव्य साधना की थी। उनके तप से पावन हुई इस भूमि के कारण ही इस जलप्रपात का नाम कपिलधारा पड़ा। सनातन परंपरा में यह स्थान तप, त्याग, साधना और आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु मां नर्मदा के दर्शन एवं पुण्य लाभ के लिए पहुंचते हैं। वर्षा ऋतु में कपिलधारा का परिवेश किसी स्वर्गिक दृश्य से कम प्रतीत नहीं होता। पर्वतों से उतरती शीतल हवाएं, जलप्रपात से उठती फुहारें, बादलों की धुंध और गर्जना करती जलधारा पूरे वातावरण को दिव्यता और प्राकृतिक सौंदर्य से भर देती हैं। ऐसा लगता है मानो प्रकृति स्वयं अपनी अनुपम कलाकृति का सजीव प्रदर्शन कर रही हो। यहां आने वाले श्रद्धालु मां नर्मदा के दर्शन-पूजन के साथ-साथ इस अद्भुत प्राकृतिक छटा का भी भरपूर आनंद उठाते हैं।

ग्लास ब्रिज बना पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र- कपिलधारा में निर्मित ग्लास ब्रिज भी इन दिनों पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। पारदर्शी कांच से निर्मित इस आधुनिक पुल पर खड़े होकर पर्यटक ऊंचाई से गिरती प्रचंड जलधारा, हरे-भरे वन और गहरी घाटी का रोमांचकारी एवं मनमोहक दृश्य कैमरों में कैद कर रहे हैं। बारिश के मौसम में ग्लास ब्रिज से दिखाई देने वाला कपिलधारा का विहंगम दृश्य पर्यटकों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन जाता है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार वर्षा ऋतु में कपिलधारा का स्वरूप वर्षभर की तुलना में सबसे अधिक आकर्षक और मनोहारी दिखाई देता है। इन दिनों पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि तेज जलप्रवाह को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित सीमाओं का पालन करने तथा जलप्रपात और ग्लास ब्रिज पर सावधानी बरतने की अपील भी की जा रही है। कपिलधारा केवल एक प्राकृतिक जलप्रपात नहीं, बल्कि आस्था, अध्यात्म और प्रकृति का अद्वितीय संगम है। यहां पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति प्राकृतिक सौंदर्य के साथ मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और मां नर्मदा की दिव्य कृपा का अनुभव करता है। वर्षा ऋतु में कपिलधारा का मनोहारी स्वरूप तथा ग्लास ब्रिज से दिखाई देने वाला विहंगम दृश्य अमरकंटक की धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हुए इसे मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों में विशिष्ट पहचान प्रदान कर रहे हैं।

लग्जरी इनोवा सहित तीन तस्कर गिरफ्तार, रामनगर पुलिस की आधी रात बड़ी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ खपाने जा रही 234 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

राजनगर। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रामनगर पुलिस ने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ खपाने ले जाई जा रही 234 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक लग्जरी टोयोटा इनोवा कार को भी जब्त करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की कीमत करीब 1.58 लाख रुपये आंकी गई है, जबकि वाहन की कीमत लगभग 10 से 15 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मारकाम तथा एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में जिलेभर में अवैध शराब और नशे के कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना रामनगर पुलिस को देर रात मुखबिर से सूचना मिली कि एक टोयोटा इनोवा वाहन में भारी मात्रा में अवैध शराब भरकर मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सुमित कौशिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल नाकाबंदी कर सघन वाहन जांच शुरू की। कुछ ही देर बाद संदिग्ध इनोवा वाहन को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की और अंदर से 25 पेटियों में भरी 234 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में वाहन सवार आरोपियों ने अपनी पहचान मो. सोएब खान उर्फ पप्पू (42), मो. राजिक उर्फ राज (30) एवं रामू बंसल (19) निवासी जमुना कॉलरी, थाना भालूमाड़ा, जिला अनूपपुर के रूप में बताई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे जमुना क्षेत्र से शराब लेकर छत्तीसगढ़ ले जा रहे थे। पुलिस ने वाहन से 22 पेटी गोवा अंग्रेजी शराब (198 लीटर) एवं 3 पेटी बोल्ट बीयर (36 लीटर) बरामद की। कुल 234 लीटर शराब की अनुमानित कीमत 1 लाख 58 हजार 580 रुपये बताई गई है। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त लग्जरी टोयोटा इनोवा कार भी जब्त कर ली गई। रामनगर थाना पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 197/2026 के तहत मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि शराब की खेप किसके कहने पर लाई जा रही थी और इस तस्करी नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सुमित कौशिक, एएसआई उमेश तिवारी, प्रधान आरक्षक अमित पटेल, निरंजन खलखो, राहुल प्रजापति, योगेंद्र मिश्रा, हरीश, आरक्षक अनुराग सिंह, भानुप्रताप एवं मुमताज की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहने की बात कही।